TUESDAY 001-364 01

8
9
10
11
12
1
2
3
4
5
6
Evening

COURSE - 01

~~[illegible]~~

बाल्यावस्था एवं उसका विकास

WEDNESDAY 002-363 02

8
9
10
11
12
1
2
3
4
5
6
Evening

CHILDHOOD AND GROWING UP

T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	JAN
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	2019

Scanned with CamScanner

UNIT - 01

बाल्यावस्था का परिचय

[INTRODUCTION TO CHILDHOOD]

बाल्यावस्था का अर्थ एवं परिभाषा :- (Meaning & Definition of childhood)

बाल्यावस्था वास्तव में मानव जीवन का वह स्वर्णिम समय है, जिसमें उसका सर्वांगीण विकास होता है। शैशवावस्था के बाद बाल्यावस्था का आरंभ होता है। यह एक ऐसी अवस्था होती है, जिसमें

बालक का विकास गति में होता है, इस अवस्था में बालक के विभिन्न आदतों, व्यहार व्यवहार, रुचि एवं इच्छाओं का निर्माण होता है।

बाल्यावस्था की सम्पूर्ण अवधि को दो से बारहवें वर्ष तक माना गया है। बाल्यावस्था को दो भागों में विभक्त किया है।

बाल्यावस्था
- प्रारम्भिक बाल्यावस्था (Early childhood)
- उत्तर बाल्यावस्था (Late childhood)

Scanned with CamScanner

प्रारम्भिक बाल्यावस्था, अवधि क्रमशः 2 वर्ष से 6 वर्ष एवं उत्तर बाल्यावस्था की अवधि 6 से 12 वर्ष तक मानी जाती है। सामान्यतः 6 से 12 वर्ष के आयु के बीच की अवधि को बाल्यावस्था कहा जाता है।

इस अवधि में बालक प्राथमिक विद्यालय की शिक्षा प्रारम्भ करता है अतः इसे प्रारम्भिक विद्यालयी आयु भी कहते हैं। इस अवधि के बालकों में स्फूर्ति अधिक होने के कारण इसे स्फूर्ति अवस्था भी कहते हैं। कुछ लोग इस अवस्था को गंदी अवस्था भी कहते हैं क्योंकि इस अवस्था में

बालक खेल-कूद, भाग-दौड़, उछल-कूद में लगे रहते हैं, जिससे प्रायः वे लापरवाह होते हैं।

भिन्न-भिन्न बाल मनोवैज्ञानिकों के द्वारा बाल्यावस्था को विभिन्न प्रकार से परिभाषित किया गया है—

कोल एवं ब्रुस के अनुसार :-

कोल एवं ब्रुस ने बाल्यावस्था को जीवन का 'अनोखा काल' बताते हुए लिखा है कि — "वास्तव में माता-पिता के लिए बाल विकास की इस अवस्था को समझना कठिन है।"

Scanned with CamScanner

"This is, indeed, a difficult period of child development for parent to understand."

क्रोयर, जोन्स एवं सिम्पसन के अनुसार :-

"शैक्षिक दृष्टिकोण से जीवन चक्र में बाल्यावस्था से अधिक कोई अवस्था नहीं है। जो शिक्षक इस अवस्था के बालकों को शिक्षा देते हैं उन्हें बालकों का, उनकी आधारभूत आवश्यकताओं का उनकी परिस्थितियों एवं समस्याओं को पूर्ण जानकारी होनी चाहिए।" जो उनके व्यवहार को रूपान्तरित और परिवर्तित करती है।"

"No period during the life cycle is more important than childhood from an educational point of view. Teacher who work at this level should understand children their fundamental needs their problems and the forces which modify and produce behaviour change."

किलपैट्रिक के अनुसार :-

"बाल्यावस्था जीवन का निर्माण काल है।"

Scanned with CamScanner

11 FRIDAY 011-354

रॉस के अनुसार :—

"बाल्यावस्था मिथ्या परिपक्वता का काल है।"

कुप्पूस्वामी के अनुसार इस अवस्था में बालकों में अनेक परिवर्तन होते हैं। जैसे 6 वर्ष की आयु में बालकों का स्वभाव उग्र हो जाता है। 7 वर्ष की अवस्था में बालकों का स्वभाव उदासीन हो जाता है। 8 वर्ष में उसमें अन्य बालकों से सामाजिक संबंध स्थापित करने की प्रबल इच्छा होती है। 9 से 12 वर्ष तक की आयु

12 SATURDAY 012-353

में विद्यालय में उसके लिए कोई आकर्षण नहीं रह जाता है। वह कोई महान एवं रोमांचकारी कार्य करना चाहता है।

Scanned with CamScanner